वन उत्पादकता संस्थान, रांची

जवाहर नवोदय विद्यालय पुटो, कोडरमा में प्रकृति कार्यक्रम के अंतर्गत वन-वर्द्धन, संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

दिनांक 21.08.2019

नवोदय विद्यालय समिति नोएडा एवं भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहारादून के बीच सम्पन्न करार के आलोक में निदेशक वन उत्पादकता संस्थान, रांची के त्वरित निर्देशन एवं समूह समन्वयक अनुसंधान के सफल मार्गदर्शन में दिनांक 21.08.2019 को जवाहर नवोदय विद्यालय पुटो, कोडरमा में वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न किया गया जिसमे उप-प्राचार्य, शिक्षक के अलावा कक्षा VI से VIII के लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्रांगण में उप-प्राचार्य डॉ. विनय कुमार के द्वारा स्वागत के साथ किया गया। संस्थान की ओर से तकनीकी अधिकारी श्री बी.डी. पंडित ने विषय प्रवेश कराते हुए ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापन), ओज़ोन परत का ह्रास, वायुमंडल के विभिन्न घटक, पर्यावरण एवं वायुमंडल में कार्बन की स्थिति एवं विभिन्न देशों के द्वारा कार्बन के उत्सर्जन की स्थिति से छात्रों को अवगत कराया तथा इसके दुष्परिणाम से बचने के लिए वन वर्द्धन एवं संरक्षण पर ज़ोर दिया गया। छात्र-छात्राओं को हर हाल में प्रतिवर्ष प्रति छात्र एक वृक्ष लगाने की हाथ उठाकर शपथ दिलाई जिसका समर्थन उपस्थित शिक्षको ने भी किया। संस्थान के मुख्य तकनीकी अधिकारी श्री एस.एन.वैद्य ने पर्यावरण प्रदूषण के सारे घटक वायु, जल, ध्वनि, मृदा आदि के प्रदूषण के कारण उसके प्रभाव एवं निदान के उपाय से प्रतिभागी को अवगत कराया। पोलीथीन के उपयोग से होने वाले नुकसान की चर्चा करते हुए इसका उपयोग बिलकुल बंद करने की सलाह दी। श्री सूरज कुमार ने वन के बिना जीवन की कल्पना अधूरी बताते हुए पौधशाला तकनीक की जानकारी देने के साथ पौधरोपण में सहयोग दिया।

कार्यक्रम के अंतिम सत्र में शिक्षक श्री अशोक कुमार ने जैव विविधता एवं लुप्त हो रहें जीवों की चर्चा करते हुए कुछ खास पौधों के द्वारा प्राप्त औषधि को बड़े हीं तार्किक ढंग से प्रस्तुत किया एवं धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में शिक्षक, कर्मचारी के अलावा प्रशिक्षु शिक्षक नेहा कुमारी, प्रिया कुमारी, विभा रानी, सरिता सिंह आदि ने भी अपना योगदान दिया एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के विस्तार प्रभाग के श्री एस.एन. वैद्य, श्री बी.डी.पंडित एवं श्री सूरज कुमार ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची